संसद के सदनों की उत्पादकता

संसद के सदनों की उत्पादकता

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में बजट सत्र के बाद संसद के दोनों सदनों (**लोकसभा और राज्यसभा**) को अनिश्चित काल के लिये स्थगित कर दिया गया।

- **अनिश्चित काल के लिये स्थगन** से तात्पर्य संसदीय सत्र को अनिश्चित काल हेतु समाप्त करना है तथा पुनः बैठक शुरू करने की कोई तिथि निर्धारित नहीं की जाती।
- लोकसभा ने **15 बैठकें कीं,** कुल **115 घंटे चले** तथा उत्पादकता दर 136% रही। वहीं **राज्य सभा ने 90 घंटे और 35 मिनट तक काम किया तथा उत्पादकता दर 118%** रही।
- सत्र के दौरान लोकसभा में 27 घंटे से अधिक समय बजट पर चर्चा के लिये समर्पित रहा।

संसद के दोनों सदनों की उत्पादकता:

- यह **एक सत्र के दौरान किये गए विधायी कार्य की मात्रा को दर्शाता** है। इसमें पारित किये गए विधेयकों की संख्या, उत्तर दिये गए प्रश्न और आयोजित बहसें शामिल हैं।
- **उत्पादकता को प्रभावित करने वाले कारक:**
  - **बैठकों की संख्या:** अधिक बैठकों से सदन को अपना कार्य निष्पादित करने के लिये अधिक समय मिलता है।
  - **प्रत्येक बैठक की अवधि:** लंबी बैठकें अधिक बहस और चर्चा का अवसर प्रदान करती हैं।
  - **उपस्थित सदस्यों की संख्या:** उपस्थित सदस्यों की अधिक संख्या का अर्थ है कि बहस और मतदान में भाग लेने के लिये अधिक लोग होंगे।
  - **व्यवधान का स्तर:** विरोध प्रदर्शन और वॉकआउट जैसे व्यवधान, बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं और सदनों को अपना काम करने से रोक सकते हैं।

//
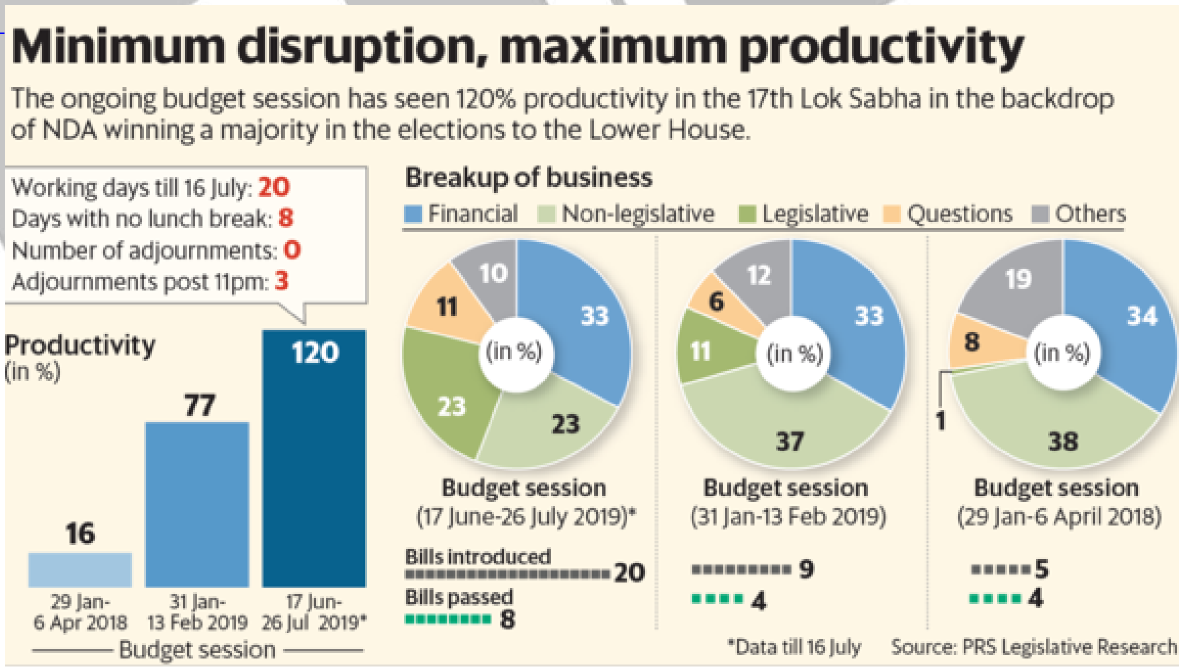

अधिक पढ़ें: लोकसभा की दक्षता और निहितार्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/productivity-of-houses-of-parliament